

डॉ. जॉन ओसवाल्ट, होशे, सत्र 13, होशे 14

© 2024 जॉन ओसवाल्ट और टेड हिल्डेब्रांट

फ्रांसिस एस्बरी सोसाइटी (विल्मोर, केवाई) और डॉ. ओसवाल्ट को इन वीडियो को जनता के लिए निःशुल्क उपलब्ध कराने और उनके प्रतिलेखन की अनुमति देने के लिए धन्यवाद।

खैर, आज रात हम अपनी यात्रा के अंत पर आ गए हैं। आप में से कई लोगों का धन्यवाद जो हर सत्र के लिए यहाँ आए हैं। आप में से अन्य लोगों का भी धन्यवाद जो उनमें से अधिकांश के लिए यहाँ आए हैं।

तो, यह मेरे लिए बहुत उत्साहवर्धक है। धन्यवाद। कुछ मायनों में, अध्याय 14 अध्याय 3 की नकल करता है। यह है, इस्राएल दास ब्लॉक पर है, और भगवान उसका मज़ाक उड़ाने, उसे चोट पहुँचाने, या इस बात पर हँसने के लिए नहीं आता कि इस महिला के साथ क्या हो सकता है जो कभी खूबसूरत थी, बल्कि वह उसे वापस खरीदने आता है।

और इसलिए, श्लोक 14:1 की शुरुआत में, इस्राएल को अपने परमेश्वर यहोवा के पास वापस लौटा दो। पूरी किताब में, हमें वापस लौटने के लिए ये आह्वान मिले हैं। हमारे पास अन्य चित्र भी हैं।

अगर हम अध्याय 3 की आयत 5 को देखें, तो उसके बाद, इस्राएली वापस लौटेंगे और अपने परमेश्वर यहोवा और अपने राजा दाऊद की तलाश करेंगे। वे अंतिम दिनों में यहोवा और उसके आशीर्वाद के लिए काँपते हुए आएँगे। यह 3:5 है। फिर 5:4। उनके कर्म उन्हें अपने परमेश्वर के पास लौटने की अनुमति नहीं देते।

और हम इस बारे में थोड़ी बात करना चाहते हैं। उनके दिल में वेश्यावृत्ति की भावना है। वे प्रभु को नहीं जानते।

यह कई मायनों में एक भयानक श्लोक है। फिर अध्याय 6, श्लोक 1. आओ, हम प्रभु के पास लौटें। उसने हमें टुकड़े-टुकड़े कर दिया है, लेकिन वह हमें ठीक कर देगा।

उसने हमें घायल किया है, लेकिन वह हमारे घावों पर पट्टी बाँधेगा। फिर अध्याय 7 पद 10। इस्राएल का अहंकार उसके विरुद्ध गवाही देता है, लेकिन इन सबके बावजूद, वह अपने परमेश्वर यहोवा के पास नहीं लौटता या उसकी खोज नहीं करता।

और अंत में, 12:6. आपको अपने परमेश्वर की ओर लौटना चाहिए, हेसेड और मिशपत को बनाए रखना चाहिए और प्रतीक्षा करनी चाहिए, और हमेशा अपने परमेश्वर पर भरोसा रखना चाहिए। फिर से, यह एक शक्तिशाली आयत है। तो, जब हम उन सभी आयतों को एक साथ देखते हैं, तो आपको कौन सी बातें प्रभावित करती हैं? उन अंशों पर आपकी क्या टिप्पणियाँ हैं? वापस लौटें।

वापस लौटो। पीछे मुड़ो। और जैसा कि आपने कई बार सुना होगा, यह हिब्रू शब्द है जिसका मतलब बस पीछे मुड़ना है।

तो, हम यहाँ कई आह्वान देखते हैं, है न? मुड़ने के आह्वान। हम और क्या देखते हैं? ठीक है। उपचार और बहाली का वादा।

और क्या? हाँ। हाँ। तो मुझे लगता है कि ये तीन बातें उन दोहराई गई आयतों में स्पष्ट रूप से दिखाई देती हैं।

ऐसा करने का आह्वान, वादा कि अगर वे ऐसा करेंगे, तो उपचार और बहाली होगी। और फिर भी, उसी समय, कुछ चीजें उन्हें रोक रही हैं। उन्हें क्या रोकता है? उनके कर्म।

अहंकार। मुझे वापस जाने की ज़रूरत नहीं है। ठीक है।

हां हां हां।

वेश्यावृत्ति की भावना। हमारे अंदर कुछ ऐसा है जो शुद्ध नहीं बल्कि दूषित चीजें चाहता है। मुझे अच्छा मांस नहीं चाहिए।

आप ऐसा मांस चाहते हैं जो थोड़ा खराब हो। यह एक और रिश्तेदारी कानून का सिद्धांत है। बुराई हमेशा उससे बेहतर दिखती है जितनी वह है।

और अच्छाई कभी भी उतनी अच्छी नहीं दिखती जितनी वह है। खास तौर पर फिल्मों में। जी हाँ।

हां हां हां।

हाँ। अगर मैं ऐसा कहूँ तो यही वह जगह है जहाँ हम कैल्विनवाद में शुद्धता की एक खास भावना देखते हैं। क्या कोई व्यक्ति उस बिंदु पर पहुँच जाता है जहाँ परमेश्वर ने उसे लुभाना बंद नहीं किया है, लेकिन वह अब उसे सुन नहीं सकता? मुझे लगता है कि हम 1 यूहन्ना में यही पढ़ते हैं।

एक पाप ऐसा भी है जो मौत की ओर ले जाता है। मैं आपको उसके लिए प्रार्थना करने के लिए नहीं कहता। कितना दिलचस्प है।

और इब्रानियों में। अब, अगर कोई मुझसे कहता है, मुझे डर है कि मैंने अक्षम्य पाप किया है। मैं कहता हूँ, नहीं, आपने ऐसा नहीं किया है क्योंकि आप चिंतित हैं।

यह वह व्यक्ति है जो चिंतित नहीं है, जिसके पास हो सकता है। और इब्रानियों की पुस्तक बहुत स्पष्ट है। यदि कोई व्यक्ति वास्तव में ठोस रूप से परिवर्तित हो गया है और एक ईमानदार ईसाई जीवन जी रहा है और फिर दूर हो जाता है और क्रूस पर अवमानना को खींचता है, तो वह कहता है कि उस व्यक्ति के लिए कोई बलिदान नहीं बचा है।

और मैं फिर से कहूंगा, ऐसा इसलिए नहीं है क्योंकि भगवान ने उनसे प्यार करना बंद कर दिया है। उसने उनके लिए अभिशाप का आदेश नहीं दिया है, लेकिन वे अब प्यार के शब्द नहीं सुन सकते। अभी, इस कमरे में हमारे चारों ओर हर तरह की आवाज़ें हैं।

कुछ शास्त्रीय संगीत, कुछ ऐसा संगीत जो इतना शास्त्रीय नहीं है, लेकिन हम उसे सुन नहीं पाते क्योंकि हमारे पास रिसीवर नहीं है। इस व्यक्ति के साथ भी यही स्थिति है। उन्होंने अपना रिसीवर तोड़ दिया है, और अब वे ईश्वर के प्रेम का संदेश नहीं सुन सकते।

तो, आपके और मेरे लिए सवाल यह है कि क्या यह किसी भी तरह से मेरे बारे में है? क्या मैं अच्छाई के बजाय बुराई को पसंद करता हूँ? मैं आज बहुत कुछ देखता हूँ जिसे नुकीला कहा जाता है। और इसमें से ज़्यादातर हृदय से ज़्यादा है। लेकिन ऐसा है।

अब, यहाँ एक शब्द है जो दिखाई देता है। NIV कहता है, आपके पाप ही आपका पतन हैं। क्या किसी के पास इसका दूसरा अनुवाद है? क्या किसी के पास इंग्लिश स्टैंडर्ड वर्शन है? ठीक है।

वहाँ जिस शब्द का इस्तेमाल किया गया है, उसके बारे में हम पहले भी थोड़ी बात कर चुके हैं। किंग जेम्स डे के समय से ही इस शब्द का अनुवाद अधर्म के रूप में किया जाता रहा है। दुर्भाग्य से, इसका कोई आधुनिक अंग्रेजी समकक्ष नहीं है, क्योंकि यह पुराने नियम में पाप का वर्णन करने वाला दूसरा सबसे ज़्यादा इस्तेमाल किया जाने वाला शब्द है। सबसे ज़्यादा इस्तेमाल किया जाने वाला शब्द वह है जिसका अनुवाद पाप किया गया है।

और दूसरा सबसे बड़ा शब्द है उल्लंघन। इस पर भी, हम पहले भी बात कर चुके हैं। दिलचस्प बात यह है कि हिब्रू और ग्रीक दोनों में इसका एक ही अर्थ है।

यह लक्ष्य चूकने का विचार है। तो, इस अर्थ में, यह अनजाने में किया गया हो सकता है, आपने लक्ष्य को हिट करने की योजना बनाई थी, लेकिन आप चूक गए, या जानबूझकर किया गया हो सकता है। नहीं, मैं वह लक्ष्य नहीं चाहता था।

मैं किसी और चीज़ पर वार करना चाहता था। यह पूरी तरह से जानबूझकर किया गया काम है। मुझे पता है कि बाढ़ कहाँ है, और मैं उसके ऊपर जा रहा हूँ।

मुझे कोई नहीं घेरता। आपमें से कुछ लोग इतने बूढ़े होंगे कि उन्हें 1940 के दशक का वह गाना याद होगा, और मुझे लगता है कि वह सच था। मुझे घेरे में मत रखो।

मुझे पता है कि सीमाएँ कहाँ हैं, और मैं उनके भीतर नहीं रहूँगा। तो, यह एक बहुत ही सामान्य शब्द है जो हमारे जीवन के लिए परमेश्वर की योजना से किसी भी विचलन का वर्णन करता है। यह एक बहुत ही विशिष्ट शब्द है।

इस बात पर कुछ बहस है कि इसका क्या मतलब है, लेकिन लगभग निश्चित रूप से, इसका मतलब वस्तुनिष्ठ वास्तविकता है। इसलिए, कभी-कभी इसका अनुवाद अपराधबोध के रूप में किया जाता है। यानी, मैं कह सकता हूँ, ठीक है, यह बस एक छोटी सी बात थी, चलो इसे भूल जाते हैं।

और यह शब्द कहता है, नहीं, तुम ऐसा नहीं कर सकते। अस्तित्व की प्रकृति में कुछ परिवर्तन हुआ है। अब कुछ अस्तित्व में आ गया है।

और हम सभी जो शादीशुदा हैं, यह समझते हैं। हमारे बीच कुछ है, और इसे सुलझाना होगा। आप बस यह नहीं कह सकते कि चलो इसे भूल जाते हैं।

इससे निपटना होगा। इसलिए, वह यहाँ कहता है, इस्राएल को अपने परमेश्वर यहोवा के पास लौटा दो। तुम्हारा अधर्म तुम्हारा पतन बन गया है। तुमने जो किया है उसकी वास्तविकता ने तुम्हें गिरा दिया है।

तो, हम इसके बारे में क्या करने जा रहे हैं? दूसरी आयत क्या कहती है? हाँ। हाँ। सचमुच, अपने साथ शब्द ले लो।

हाँ। हाँ। यदि आप पीछे मुड़ने जा रहे हैं, तो पश्चाताप के अलावा यूनानी शब्द का अर्थ सहमत होना है।

अगर हम पीछे मुड़ने जा रहे हैं, तो हमें उससे कहना होगा, तुम सही थे, और मैं गलत था। शब्द। खैर, शब्द पर्याप्त नहीं हैं, है न? उसके बारे में क्या? शब्द क्या कर सकते हैं? हम अपने शब्दों से बचेंगे और निंदा करेंगे।

ठीक है। सचमुच पश्चाताप करना और खेद प्रकट करना। ठीक है।

ठीक है। ठीक है। सच में कबूल करने के लिए विनम्रता की ज़रूरत होती है।

शब्द मेरे अंदर एक शुद्ध हृदय उत्पन्न करते हैं। हाँ। दिलचस्प बात यह है कि हिब्रू में, यह अधर्म जैसा है।

शब्द, और चूंकि आप एक ठंडी रात में बाहर आए हैं, इसलिए आपको अपने दोस्तों और पड़ोसियों को प्रभावित करने के लिए हिब्रू भाषा सीखनी होगी। शब्द है दाबर। यह एक स्वर के बाद एक नरम बी है।

दबार - इसका मतलब शब्द है। इसका मतलब चीज़ भी है।

और इसका मतलब घटना भी है। एक बार फिर, जब आप कोई शब्द बोलते हैं, तो वह बाहर आ जाता है। और आप कह सकते हैं, ठीक है, मेरा मतलब यह नहीं था, लेकिन यह वहाँ है।

यह एक बात बन गई है। यह एक वास्तविकता बन गई है जिससे निपटना होगा। तो, उसी तरह, ये शब्द क्या हैं? हम कहते हैं, ठीक है, लाठी और पत्थर मेरी हड्डियाँ तोड़ सकते हैं, लेकिन शब्द मुझे कभी चोट नहीं पहुँचा सकते।

मुझे लगता है कि यह इसके विपरीत है। लाठी और पत्थर मेरी हड्डियाँ तोड़ सकते हैं, लेकिन शब्द मुझे वास्तव में चोट पहुँचा सकते हैं। आप उन्हें अनसुना नहीं कर सकते।

या उन्हें न कहें। हाँ। तो, वास्तविक अर्थ में, यह है, हाँ, हम अन्याय की वास्तविकता से कैसे निपटते हैं? हम शब्दों के साथ इसका सामना करते हैं।

सच्चे शब्द। सस्ते शब्द नहीं, बल्कि सच्चा इकबालिया बयान। मैं गलत था।

मैंने वो किया जो मुझे नहीं करना चाहिए था। और मुझे खेद है। यह कठिन है।

यह कठिन है। लेकिन असल में, होशे हमें बता रहा है कि अगर वेश्या को वापस लाना है, तो उसके अंदर की आत्मा से निपटना होगा। और शब्द उस वास्तविकता को व्यक्त करेंगे या नहीं।

तो, यह है, मुझे ये दो आयतें हिब्रू भाषा की प्रकृति में निहित निहितार्थों के संदर्भ में बहुत दिलचस्प लगती हैं। तो, अपने साथ शब्द ले लो और प्रभु के पास लौट आओ। और हमें उन शब्दों में क्या कहना है? क्षमा करें।

यहाँ भी, मैं गलत था। मुझे क्षमा की आवश्यकता है। और अगला शब्द क्या है? अनुग्रह में स्वीकार करें।

मैं इस लायक नहीं हूँ कि आप मुझे स्वीकार करें। मैं इस लायक नहीं हूँ कि आप मुझे वापस ले लें। लेकिन कृपया अपनी कृपा की अभिव्यक्ति के रूप में मुझे वापस ले लें।

और मुझे लगता है कि यही वजह है कि वे ग्रीक में माफ़ी के अर्थ समझा रहे हैं। इसका मतलब है, मेरी बुरी बातों को स्वीकार मत करो। उसे जाने दो।

इससे छुटकारा पाओ। इसे दूर ले जाओ। ठीक है।

हमें अनुग्रहपूर्वक ग्रहण करें। अब इस अगले को देखें कि हम अपने होठों का फल चढ़ाएँ।

इसके अलावा, हमें बताया गया है कि पुराने नियम में कहीं और, हमारे होठों का फल एक बलिदान है। और यह अच्छी तरह से हो सकता है कि हम यहाँ जिस बारे में बात कर रहे हैं, वहाँ वास्तव में दो संभावनाएँ हैं। एक यह कि हम प्रतिज्ञाओं के बारे में बात कर रहे हैं।

अब मुझे अपनी प्रतिज्ञाएँ फिर से दोहरानी चाहिए। सालों पहले की शादी की प्रतिज्ञाएँ। मुझे तुम्हें अपने होठों का फल देना चाहिए।

दूसरी संभावना यह है कि, और यह नीतिवचन में है, यह बताता है कि एक आदमी अपने होठों के फल पर जीवित रहेगा। विचार यह है कि आपने जो कहा है, ईमानदारी से कहा है, ईमानदारी से कहा है, आपके जीवन में अच्छे परिणाम लाता है। तो यहाँ एक और संभावना है।

अगर तुम मुझे माफ़ कर दोगे, अगर तुम मुझे अनुग्रहपूर्वक स्वीकार करोगे, तो मैं अपने जीवन की उपज का उपयोग तुम्हें आशीर्वाद देने के लिए करूँगा। तो यह दूसरी संभावना है। मैं प्रतिज्ञाओं के पक्ष में थोड़ा ज़्यादा हूँ, लेकिन... हाँ, हाँ।

स्तुति के बलिदान। हाँ, हाँ। दिलचस्प बात यह है कि इनमें से कुछ भी ऐसा नहीं है जो हिब्रू में कहा गया है।

हिब्रू में लिखा है, हम अपने होठों की बातें कहेंगे। अगर आपके पास किंग जेम्स है, तो आप इसे वहाँ देख सकते हैं। क्या? और जैसा कि मैंने आपसे पहले भी कहा है, किसी भी कारण से, होशे की हिब्रू अधिकांश अन्य पुस्तकों की हिब्रू की तुलना में कम विश्वसनीय है।

हिब्रू में जो शब्द है वह है परिम, और इसका मतलब है बैल। पार का मतलब है बैल और इम का बहुवचन है। लेकिन फल का मतलब है पेरी।

व्यंजनात्मक पाठ में, वे एक जैसे दिखेंगे, सिवाय इसके कि उस पर M लिखा है। इस पर नहीं। और दिलचस्प बात यह है कि सेप्टुआजेंट में इसका अनुवाद, होठों का फल किया गया है।

इसीलिए ज़्यादातर आधुनिक अनुवाद इसी तरह से होते हैं: बस एक चूक हुई थी। याद रखें, स्वरों को ईसा के पाँच या छह सौ साल बाद डाला गया था। तो, ये दोनों ही ऐसे ही दिखते होंगे।

उनके बीच एकमात्र अंतर यह होता कि एम. तो, यहाँ आपके लिए एक छोटी सी पाठ आलोचना है। तो, हम आपको अपने होठों का फल देने जा रहे हैं। पद तीन में हम अपने मुँह से क्या नहीं करने जा रहे हैं? हम मूर्तियाँ नहीं रखेंगे, लेकिन उससे पहले कुछ और है।

हम अशशूर से हमें बचाने के लिए नहीं कहेंगे। हम किसी शक्तिशाली शक्ति से हमें बचाने के लिए नहीं कहेंगे। अब फिर से, याद रखें, यह इस्राएली राज्य के अंत में है।

उन्होंने अशशूर के साथ सौदा किया, फिर उन्होंने उसे तोड़ दिया और मिस्र के साथ सौदा करने की कोशिश की, और अब वे फिर से अशशूर के साथ सौदा करने की कोशिश कर रहे हैं। और अशशूर को इससे बहुत कुछ सहना पड़ेगा, और वे उन्हें ले जाएँगे। इसलिए, हम पश्चाताप करने जा रहे हैं, हम कबूल करने जा रहे हैं, और इसका परिणाम क्या होगा? भरोसा।

भरोसा करो। हम अशशूर पर नहीं बल्कि तुम पर भरोसा करने जा रहे हैं। हम अपने हाथों के काम पर नहीं बल्कि तुम पर भरोसा करने जा रहे हैं।

और यहाँ फिर से, मुझे लगता है कि यह आज हमारे लिए बहुत महत्वपूर्ण है। नहीं, मेरे पास कोई मूर्ति नहीं है। मैं मूर्तियाँ नहीं बनाता।

मैं दूसरे देवताओं या भगवान पर भी विश्वास नहीं करता। मैं किस पर भरोसा करता हूँ? मैं अपने हाथों के कामों पर भरोसा करता हूँ। वह बैंक खाता क्या है? यह मेरे हाथों के काम हैं।

वह बड़ा घर क्या है? यह मेरे काम का नतीजा है। इसलिए, मूर्तियों का वह वर्णन बहुत महत्वपूर्ण है। मैं जो हासिल कर चुका हूँ, उस पर भरोसा कर रहा हूँ।

मैं अपने किए पर भरोसा करता हूँ। अब, फिर से, भगवान यह नहीं कहते कि, ठीक है, बस अपने हाथ पर हाथ रखकर बैठ जाओ और मैं इसे तुम्हारे ऊपर गिरा दूँगा। नहीं।

लेकिन उससे यह कहने में बहुत बड़ा अंतर है कि, मैं तुम पर भरोसा करता हूँ कि तुम मेरे हाथों से वह सब पूरा करोगे जो तुम मेरे जीवन में पूरा करना चाहते हो। तो, यह इस बात से शुरू होता है कि मेरा ध्यान भरोसे पर कहाँ है। क्या यह ईश्वर में है, या यह मेरे अपने आप में है? लेकिन अब, पद 3 के अंतिम भाग को देखें। पद 2 के अंत में हमारे पास एक तरह का असामान्य समापन था और हमने देखा कि यह कारणात्मक है। अश्वर हमें नहीं बचा सकता।

हम अपने देवताओं से नहीं कहेंगे क्योंकि आप में अनाथों को दया मिलती है। तो, इसका कारण यह है कि आप में अनाथों को दया मिलती है, और इसका प्रभाव यह है कि हम अब अश्वर और अपने हाथों के कामों पर भरोसा नहीं करेंगे। यह कैसे काम करता है? ठीक है, वे अनाथ थे, ऐसा आपको लगता है? ठीक है, उनके पाप के परिणामस्वरूप, वे अनाथ थे।

ठीक है, ठीक है। हाँ, क्योंकि आप में अनाथों को दया मिलती है। मैं अश्वर पर भरोसा नहीं करने जा रहा हूँ, और मैं अपने हाथों के कामों पर भरोसा नहीं करने जा रहा हूँ। मुझे लगता है कि यहाँ जो कुछ है वह परमेश्वर के चरित्र का एक बयान है।

आप किस तरह के भगवान हैं? आप अविश्वसनीय रूप से दयालु हैं। आप अविश्वसनीय रूप से दयालु हैं। आप बहिष्कृत लोगों के लिए हैं।

ओह माय, मुझे लगता है कि शायद मैं ऐसे ईश्वर पर भरोसा कर सकता हूँ। अश्वरियों को अनाथों की परवाह नहीं है, और मेरी मूर्तियों को अनाथों की परवाह नहीं है, लेकिन तुम्हें परवाह है। तुम्हें परवाह है, और अब इस बारे में सोचो: ईश्वर के खास पसंदीदा कौन हैं? विधवाएँ, अनाथ और अप्रवासी।

उन सबमें क्या समानता है? वे सभी गैर-योगदानकर्ता हैं। वाह, वाह, वाह, वाह। हम अपने समाज में मुफ्तखोरों को नहीं आने देते।

हम उत्पादकों को महत्व देते हैं। हम योगदानकर्ताओं को महत्व देते हैं। भगवान लोगों को इसलिए महत्व नहीं देते क्योंकि वे योगदान करते हैं या इसलिए कि वे उत्पादन करते हैं।

भगवान लोगों को महत्व देते हैं क्योंकि वे ऐसे हैं। हाँ, हाँ। वह अनाथों का पिता है और विधवाओं का पति है।

इसीलिए भगवान कहते हैं, जब तुम इस तरह के लोगों के साथ बुरा व्यवहार करते हो तो तुम मेरे नाम को अपवित्र करते हो। तुम मेरा नाम कीचड़ में घसीटते हो। तुम ऐसा दिखाते हो जैसे मैं उन देवताओं में से एक हूँ जो सुंदर लोगों और जेट सेट को महत्व देते हैं।

मैं हर सुबह ईसाई बनकर बेहद खुश हूँ, और मैं शीशे में देखता हूँ और याद करता हूँ कि भगवान बदसूरत लोगों से प्यार करते हैं। आप जानते हैं, मुझे लगता है कि यह आश्चर्यजनक है कि आपने सिर्फ पिताहीन के बजाय बहिष्कृत शब्द का इस्तेमाल किया क्योंकि इसमें वेश्याओं से पैदा हुए सभी बच्चे शामिल हैं जिन्हें पता नहीं है कि उनका पिता कौन है। हाँ, हाँ

बिल्कुल, बिल्कुल, बिल्कुल। और, बेशक, यह हमारे समाज में एक महामारी है। हाल ही में 2009 में, संयुक्त राज्य अमेरिका में पाँच प्रतिशत बच्चे पिताविहीन थे।

अब, यह 50 प्रतिशत है। 2022. और हर अध्ययन, हर अध्ययन से पता चलता है कि अपराध का एक पूर्वानुमान पिताहीनता है।

यह अर्थशास्त्र नहीं है, यह नस्ल नहीं है, यह ऐसी कोई भी चीज़ नहीं है जिसके बारे में आप सोच सकते हैं। यह पिताहीनता है। और हम इसे जितनी जल्दी हो सके बढ़ावा दे रहे हैं।

यह होशे की तरह लगता है। तो, परमेश्वर उत्तर देता है, श्लोक 4। वह क्या करेगा? वह क्या ठीक करेगा? उनकी भटकन। और उनसे प्रेम करेगा।

वह वेश्यावृत्ति की उस भावना से निपटने जा रहा है। उसके नाम की प्रशंसा करें। अब, मेरी बात सुनो।

मैं यहाँ पर बहुत ही आक्रामक होने जा रहा हूँ। मैं उनके किए पर मरहम लगाऊँगा और उन्हें माफ़ कर दूँगा। इसमें और पाठ में जो लिखा है, उसमें क्या अंतर है? हाँ।

यह उन्हें ठीक करने जा रहा है, न कि उन्होंने जो किया। और उन्हें किस अर्थ में ठीक करेगा? वह कारण से निपटने जा रहा है। वह कारण से निपटने जा रहा है।

हाँ। और यही बात आधुनिक इंजीलवाद के बहुत से लोग भूल गए हैं। ओह, मैं तुम्हें माफ़ कर दूँगा और तुम्हें स्वर्ग ले जाऊँगा।

और इस बीच, आप नरक की तरह रह सकते हैं। नहीं, नहीं।

हाँ, मैं तुम्हें माफ़ कर दूँगा। हाँ, मैं तुम्हें अनुग्रहपूर्वक स्वीकार करूँगा। और मैं तुम्हारी भटकन को ठीक कर दूँगा।

हां हां हां।

हाँ। तो, और जैसा कि किसी ने कहा है, मैं उनसे खुलकर प्यार करने जा रहा हूँ, क्योंकि मेरा गुस्सा दूर हो गया है। यहाँ प्यार शब्द का मतलब स्नेह है।

यह हेस्ट नहीं है। यह अहव है। तो, यह है, आप मेरे दोस्त हैं।

जैसा कि डेरिल ने कल धर्मोपदेश में कहा था, भगवान हमें पसंद करते हैं। मैंने यह पहले भी कहा है, लेकिन आप भूल गए हैं। भगवान क्रोधित होते हैं।

वह प्रेम है। अब, जब तुम आ गए हो, तुम मेरी ओर मुड़े हो, तुमने कबूल किया है, तुम शब्द लाए हो, अपने होठों का फल लाए हो। अब, मैं जो हूँ, उस पर विजय पाने में सक्षम हूँ जो मैंने महसूस किया था।

हाँ। हाँ। हाँ। अब क्रोध का कोई कारण नहीं है। तो, हाँ। हाँ।

मुझे लगता है कि जिस तरह से इसे जोड़ा गया है, उसमें महत्व है। हिब्रू कविता को याद करें जिसमें आप एक बात कह रहे हैं और आप इसे दो अलग-अलग, समानार्थी तरीकों से कह रहे हैं। मैं उन्हें खुलकर प्यार करता हूँ।

मेरा गुस्सा दूर हो गया है। तो, यह एक सिक्के के दो पहलू हैं। और यह महत्वपूर्ण है।

ठीक है। खैर, मुझे लगा कि हम लगभग 7:30 बजे समाप्त हो जाएंगे। तो, हम श्लोक 5, 6 और 7 में क्या देखते हैं? हाँ। हाँ।

मैंने आपको कई जगहें बताई हैं जहाँ बंजरपन, मृतप्रायता, फसल के मरने की बात की गई है, और अब हमने इसे उलट दिया है। और जैसा कि गैरी ने कहा है, मुझे लगता है कि पहला वाक्य महत्वपूर्ण है। श्लोक 5, यह क्या कहता है? सर्वनाम क्या है? वह ओस होगा।

यह सिर्फ इतना नहीं है कि अब सब कुछ ठीक हो जाएगा। यह मैं हूँ। मैं आपके जीवन में यह अनमोल प्रभाव बनूँगा। मैं गर्मियों के महीनों में, शुष्क मौसम का स्रोत बनूँगा।

ओस इजराइल में बहुत महत्वपूर्ण है। यह एक ऐसी चीज है जो पौधों को थोड़ा नम रखती है, खासकर अंगूर और जैतून के पौधों को। मैं इजराइल के लिए ओस की तरह बनूँगा।

वह लिली की तरह खिलेगा, लेबनान के देवदार की तरह। वह अपनी जड़ें फैलाएगा। उसकी नई-नई कोपलें बढ़ेंगी।

उसकी शोभा जैतून के वृक्ष के समान होगी। उसकी सुगन्ध लेबनान के देवदार के समान होगी। लोग फिर से उसकी छाया में रहेंगे।

तो, यहाँ दूसरा पहलू है। भगवान ओस बनेंगे। वे ऐसा करेंगे, और इसका परिणाम यह होगा कि लोग आशीर्वाद पाने जा रहे हैं।

यह आपके और मेरे जीवन के लिए एक आदर्श है। क्या वह मेरे जीवन में ओस है? क्या वह जीवन का अनमोल, अनमोल संकेत है जो मेरे जीवन में खेला जा रहा है जिसके परिणामस्वरूप अन्य लोग धन्य हैं? मुझे लगता है कि यह ईसाई जीवन का पैटर्न है। वह स्रोत है, हम खेत हैं, और उन्हें खाना मिलता है।

ठीक है, श्लोक 8. आप उस शुरुआती वाक्य से क्या समझते हैं? यह आपको थोड़ा अजीब लगता है? मूर्तियों से मेरा क्या लेना-देना? खैर, आप भगवान हैं। आपका उनसे कोई लेना-देना नहीं है। यही उनका विकल्प है।

हाँ, अगर तुम मेरे साथ एक रिश्ते में रहना चाहते हो, यह रिश्ता जहाँ मेरी मौजूदगी की ओस तुम्हें सींच रही है, तो तुम्हें मूर्तियों की ज़रूरत नहीं है। एक टिप्पणीकार का सुझाव है कि भगवान कह रहे हैं, मुझे अब तुमसे मूर्तियों के बारे में बात करने की ज़रूरत नहीं है। मैं उस चर्चा से बाहर आ गया हूँ, क्योंकि तुम बात समझ गए हो।

तुम गुलामों के घर से नीचे आ गए हो। तुमने मुझे रेगिस्तान में तुम्हें लुभाने दिया है। अध्याय 3 से याद है? तो, मुझे अब मूर्तियों के बारे में बात करने की ज़रूरत नहीं है।

और मुझे संदेह है कि शायद यही दिशा है। लेकिन फिर, एक पाठ्य समस्या की संभावना है। हिब्रू में कहा गया है, हे एप्रैम, मुझे क्या? और फिर मूर्तियाँ।

खैर, फिर से, थोड़ा हिब्रू। यहाँ L कैसा दिखता है। और यहाँ E कैसा दिखता है।

सेप्टुआजेंट कहता है, हे एप्रैम, अब उसके लिए मूर्तियाँ क्या हैं? क्या तुम जानते हो कि वह कैसा दिखता है? यह एक Y है और यह एक W है। और अगर तुम हस्तलिखित हिब्रू पाठ देखते हो, तो हे भगवान, कभी-कभी यह थोड़ा लंबा हो जाता है, और यह थोड़ा छोटा हो जाता है। बिल्कुल सही। तो, यह, जैसा कि मैं कहता हूँ, मेरे लिए ii होगा, और यह उसके लिए io होगा।

तो, किसी भी तरह से, बात स्पष्ट है। हम मूर्तियों के साथ काम कर चुके हैं। मुझे अब उनकी ज़रूरत नहीं है, और एप्रैम को भी अब उनकी ज़रूरत नहीं है।

ओह, यह कितनी अच्छी जगह है। यह कितनी अच्छी जगह है। मैं अपने हाथों के कामों पर भरोसा करना छोड़ चुका हूँ।

मैं अब यह सब कर चुका हूँ और अब मैं भगवान पर भरोसा करने जा रहा हूँ। आमीन। बिल्कुल, बिल्कुल, बिल्कुल।

अगर आप ईश्वर पर भरोसा कर सकते हैं, तो आपके पास एक भरोसेमंद व्यक्ति होने का सुख है। आपको लालची होने की ज़रूरत नहीं है। आपको हड़पने वाला होने की ज़रूरत नहीं है।

आपका जीवन उसके हाथों में है और आप उस पर भरोसा कर सकते हैं और इसलिए लोग आप पर भरोसा कर सकते हैं। रहने के लिए यह कैसी जगह है। रहने के लिए यह कैसी जगह है।

अब, यह अटकलें हैं। आपको थोड़ा सावधान रहना होगा। मुझे यह बहुत दिलचस्प लगता है कि जब अब्राहम ने इसहाक को वेदी पर रखा तो इसहाक के अब्राहम से लड़ने का कोई संकेत नहीं मिला।

अब, यह एक बहुत ही संक्षिप्त कहानी है, लेकिन अगर आप एक व्यक्ति हैं, एक माता-पिता हैं, जो भगवान पर भरोसा करते हैं, तो आपके बच्चे आप पर भरोसा कर पाएंगे। हाँ, हाँ। मुझे पता है कि मेरे पिता मेरा फ़ायदा नहीं उठाएँगे।

मैं जानता हूँ कि मेरे पिता मेरे साथ दुर्व्यवहार नहीं करेंगे। मैं जानता हूँ कि मेरे पिता मेरे लिए अपनी जान दे देंगे। मैं उन पर भरोसा कर सकता हूँ।

मैं कल रात कॉलेज के छात्रों से निपटने वाले किसी व्यक्ति से बात कर रहा था, और वह कह रही थी, आपको पता ही नहीं है कि ये बच्चे कितने चिंतित हैं। वे हर चीज़ को लेकर चिंता से घिरे रहते हैं। हाँ, हाँ।

सबसे पहले, आज जब मैंने इस पर अध्ययन समाप्त किया तो मैं वास्तव में दंग रह गया। मैंने होश को देखा और याद किया कि मूर्तिपूजा के मामले में परमेश्वर ने किस तरह से निरंतर काम किया है। भजन 115, जहाँ उसने कहा, जो कोई उन्हें बनाता है, वे उनके जैसे बन जाते हैं। हाँ, हाँ।

और फिर भरोसा करने का तीन गुना आह्वान और आशीर्वाद का तीन गुना वादा है। हाँ। हाँ।

ओह, हाँ। ओह, हाँ। अगर हम अपने हाथों के कामों पर भरोसा करते हैं, तो हम अविश्वसनीय लोग बन जाते हैं क्योंकि हम हर समय लालच और हड़पने की कोशिश करते रहते हैं।

हम दुनिया को अपने हिसाब से चलाने की कोशिश कर रहे हैं। और यह काम नहीं करता। इसलिए दुनिया में जो अमीर व्यक्ति भगवान पर भरोसा नहीं करता और जो अमीर व्यक्ति भगवान पर भरोसा करता है, उनके बीच का अंतर बहुत बड़ा है।

यह कहाँ से आया? यह मुझे किसने दिया? ओह, भगवान ने दिया। भगवान ने दिया। मैंने दिया।

और बेहतर होगा कि तुम मेरे रास्ते से हट जाओ। तो, मैं उसका जवाब दूँगा और उसकी देखभाल करूँगा। मैं एक फलते-फूलते जुनिपर की तरह हूँ।

तुम्हारी फलदायकता मुझसे आती है। हाँ। हाँ।

ओह, ओह, कृतज्ञता का जीवन जीने में सक्षम होने के लिए। धन्यवाद, भगवान। मैं आपसे आपके हाथ की पीठ के अलावा कुछ भी पाने का हकदार नहीं था।

और आपने मुझे ये सब दिया है। धन्यवाद। और फिर, मैं बहुत सरल नहीं होना चाहता, लेकिन ऐसा क्यों है कि अमेरिका दुनिया का सबसे परोपकारी देश रहा है? कौन जानता है? खैर, शायद यह एक समाजशास्त्रीय बकवास है।

यह समाजशास्त्रीय नहीं है। यह ईसाई धर्म की दो शताब्दियों की परंपरा का परिणाम है, जिसमें कहा गया है कि, हे, भगवान ने मुझे वह दिया है जो मेरे पास है। मैं इसे दूसरों को दे सकता हूँ।

आपकी फलदायकता मुझसे आती है। और अब हम गति पर जी रहे हैं। गति कम होती जाती है।

ठीक है। मुझे यहाँ कुछ और बातें करने दो। आखिरी श्लोक अजीब है, है न? कौन समझदार है? उन्हें ये बातें समझनी चाहिए।

कौन समझदार है? वे ही समझें। यहोवा के मार्ग सीधे हैं; धर्मी लोग उन पर चलते हैं, परन्तु बलवा करनेवाले उन में ठोकर खाते हैं।

मुझे लगता है कि यह किसी और की टिप्पणी है। मुझे नहीं लगता कि यह होशे की बात है, लेकिन यह कोई ऐसा व्यक्ति है जो कह रहा है कि होशे ने जो कहा है वह वाकई बहुत बुद्धिमानी भरा है। अब, मैं यहाँ एक मिनट के लिए बुद्धिमत्ता के बारे में बात करूँगा।

बाकी प्राचीन दुनिया में, ज्ञान का देवताओं से कोई लेना-देना नहीं है। कुछ भी नहीं। यह सब मानवीय अनुभव का नतीजा है।

ठीक है। नौजवान, तुम्हें राजा के दरबार में शामिल होने के लिए आमंत्रित किया गया है। ठीक है।

जब वह तुम्हें भोजन के लिए आमंत्रित करे, तो राजा के बगल वाली सीट पर मत बैठो। मेज के अंत में बैठो। अगर तुम राजा के बगल में बैठोगे, तो बहुत संभव है कि वह तुमसे पूछेगा, तुम कौन हो? वहाँ से चले जाओ।

दूसरी ओर, शायद अगर आप टेबल के अंत में बैठते हैं, तो वह कहेगा, तुम वहाँ क्या कर रहे हो? यहाँ आधे रास्ते से ऊपर आओ। यह क्या है? यह बस मानवीय अवलोकन है। हमने देखा है कि चीजें कैसे काम करती हैं।

पूरे दिन सोएँ और अगले हफ्ते भूखे रहें। यह ज़रूरी नहीं कि यह सही हो या गलत। यह बस काम करता है।

यह पूरी तरह से उपयोगितावादी और व्यावहारिक है। बच्चे, मैं बहुत लंबे समय तक जी चुका हूँ, और मैंने कुछ चीजें सीखी हैं। मैं आपको बता दूँ, यह काम करता है और वह नहीं।

अब, बाइबल की बुद्धि के बारे में क्या? यह क्यों काम करती है? यह इसलिए काम करती है क्योंकि यह सही है। और यह इसलिए काम नहीं करती क्योंकि यह दुष्ट है। नम्र होना सही है।

अहंकारी होना गलत है। तो, आपके पास नीतिवचन 1, श्लोक 7 में वह अद्भुत श्लोक है। प्रभु का भय ज्ञान की शुरुआत है। प्रभु का भय क्या है? जैसा कि हमने पहले चर्चा की है, प्रभु का भय मूल रूप से दो चीजें हैं।

नंबर एक, ईश्वर है। और नंबर दो, वह आप नहीं हैं। यह प्रभु का भय है।

और आप उस ज्ञान के आधार पर अपना जीवन जीते हैं। इसलिए, सही और गलत सिर्फ यह नहीं है कि क्या काम करता है और क्या नहीं। यह सृष्टि की प्रकृति में क्या है।

भगवान ने दुनिया को इसी तरह बनाया है। भगवान ने हमें दिखाया है कि क्या सही है और क्या गलत। यह केवल अवलोकन का विषय नहीं है।

और कुछ बातें जो सही हैं, वास्तव में, निरीक्षण से, सही नहीं लग सकती हैं, लेकिन वे सही हैं। और यही भजन 1 कहता है। पापी के साथ मत चलो।

दुष्टों के साथ मत बैठो। माफ़ करना, दुष्टों के साथ मत खड़े रहो। उपहास करने वालों के साथ मत बैठो।

लेकिन, उसका आनंद ईश्वर के टोरा में है। वह दिन-रात उस पर ध्यान करता है। वहीं बुद्धिमान व्यक्ति है।

बुद्धिमान व्यक्ति है। और परम मूर्ख कौन है? वह जो कहता है कि ईश्वर नहीं है। इसलिए, इसी प्रकाश में हमारे पास इस तरह के कथन हैं।

बुद्धिमान कौन है? होशे के द्वारा प्रकट की गई इन बातों को समझे। समझदार कौन है? वही समझे। यहोवा के मार्ग सीधे हैं।

सिर्फ वही नहीं जो काम करता हुआ प्रतीत होता है। सिर्फ वही नहीं जो व्यावहारिक रूप से उपयोगी प्रतीत होता है, बल्कि यह प्रभु के वे तरीके हैं जो सरल मानवीय अवलोकन के आधार पर हमें विश्वास दिलाते हैं कि वे बुद्धिमानी भरे हैं।

धर्मी लोग उनमें चलते हैं, परन्तु बलवा करनेवाले उनमें ठोकर खाते हैं। अब, यदि आप अध्याय 14, पद 1 को देखें, तो आपके अधर्म ने आपको ठोकर खिलाई है - बलवा करनेवाले लोग परमेश्वर के सीधे मार्गों पर ठोकर खाते हैं।

ठीक है, मैं आपको बात करने देना चाहता था, लेकिन मैं नहीं कर रहा हूँ। आइए परमेश्वर के तरीकों के बारे में बात करें। होशे की किताब के अनुसार प्रभु के ये कौन से तरीके हैं जो सही हैं? नंबर एक, यहोवा पूरी तरह से भरोसेमंद है।

आप अपना सारा भार उस पर डाल सकते हैं। आप अंधेरे में उस पर भरोसा कर सकते हैं। आप उस पर भरोसा कर सकते हैं जब सब कुछ आप पर गिर रहा हो।

जब ऐसा लगे कि वह आपको भूल गया है, तब आप उस पर भरोसा कर सकते हैं। आप उस पर भरोसा कर सकते हैं। वह आत्म-समर्पण करने वाला प्रेम है।

और हम उन दोनों को उलट सकते हैं। मैंने इस पर थोड़ा विचार किया। क्योंकि वह आत्म-समर्पण करने वाला प्रेम है, उस पर भरोसा किया जा सकता है।

वह अपने लिए नहीं है। इसलिए, आप उन्हें बदल सकते हैं, वे एक साथ चलते हैं। यही बात यीशु ने पहाड़ी उपदेश में कही है।

वह अन्यायियों पर बारिश बरसाता है। क्या तुम ऐसा करोगे? नहीं, मैं पानी बंद कर दूंगा। मैंने यह कहा है: वह क्रोधित होता है, लेकिन वह प्रेम है।

वह हमारे बुरे चुनावों के परिणामों को अनुमति देता है, खास तौर पर हमारे हाथों और दिमाग के कामों पर भरोसा करने के चुनाव को। अगर हम पीछे मुड़ते हैं तो वह बहाल कर देगा। वह करेगा।

उसकी निरंतर इच्छा आशीर्वाद देने की है। उत्पत्ति 1 से प्रकाशितवाक्य 21 तक, उसकी इच्छा आशीर्वाद देने की है। लेकिन, लेकिन, रूपकों को पूर्ण न बनाएँ।

आप जानते हैं, राजा के बच्चे हमेशा अमीर और स्वस्थ होते हैं। मेरा मतलब है, बाइबल को देखिए। आशीर्वाद, सबसे पहले, मन की स्थिति और हृदय की स्थिति है।

दुनिया के कुछ सबसे धन्य लोग सबसे गरीब हैं। यह उन चीजों में से एक है जो मिशन यात्राएं अमेरिकियों के साथ करती हैं। हम इन जगहों पर जाते हैं, और हम ऐसे ईसाइयों से मिलते हैं जिनके पास कुछ भी नहीं है और वे खुश हैं।

क्या हुआ? मुझे यह अनुभव रोमानिया में 1993 की सर्दियों में हुआ था। चाउसेस्कु की हत्या दिसंबर में हुई थी। यह मार्च का महीना था।

ठंड थी, हर जगह बर्फ थी। वहाँ बर्फ हटाने वाले यंत्र नहीं थे। मैं एक चर्च में था जहाँ बर्फ हटाने का काम होता था। उन्होंने मुझे बताया कि 750 लोग थे, और उन्होंने अनुमान लगाया कि सेवा के लिए सेवा में 850 से 900 लोग थे, केवल खड़े होने की जगह थी।

और जब वे प्रार्थना करते थे, तो सभी लोग एक साथ, जोर से प्रार्थना करते थे। मुझे लगा कि छत गिरने वाली है। वे फटे-पुराने कपड़ों के अलावा कुछ नहीं पहने हुए थे।

उनमें से कई लोग 10 डिग्री तापमान में लंबी दूरी तक पैदल चले थे। और मैं वहीं प्लेटफॉर्म पर बैठा था। मैं प्रार्थना नहीं कर रहा था।

मैं उनकी ओर देख रहा था, प्रार्थना कर रहा था। और मुझे लगा कि वे खुश हैं।

वे खुश हैं। ऐसा कैसे हो सकता है? और क्योंकि वे जानते थे कि उन्होंने सही चुनाव किया है। अगर आप ईसाई थे, तो आपको व्यवसायों से बाहर रखा गया था।

क्या आप बर्तन खोदने वाले बनना चाहते हैं? आगे बढ़िए और ईसाई बनिएं। वे खुश थे। वे धन्य थे।

रूपकों को निरपेक्ष मत बनाइए। वह ईश्वरीय व्यवहार की इच्छा रखता है, और वह उसे अनुपातहीन रूप से पुरस्कृत करता है। उसने कहा, ठीक है, ओसवाल्ड, तुम हमें पहली रात ही यह क्यों नहीं दे देते? हमें फिर 14 के लिए वापस नहीं आना पड़ेगा।

खैर, मैं तुम्हें धोखा दे रहा था। यहोवा के मार्ग सीधे हैं - धर्मी लोग उन पर चलते हैं, परन्तु विद्रोही उन में ठोकर खाते हैं।

हाँ। मुझे वहाँ मत भेजो जहाँ मैं नहीं जाना चाहता। मुझे वह मत करने दो जो मैं नहीं करना चाहता।

ठीक है। आपके धैर्य के लिए धन्यवाद। मैंने आपको बहुत देर तक रोके रखा।